फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

(Certificate in Phalit –Jyotish)

Paper –CIJ-02

फलित ज्योतिष का सैद्धान्तिक ज्ञान

Section-A

(Very short answer type questions)

अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य)

Note: Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

10X2= 20

नोट : सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिये। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 50 शब्दों में परिसीमित किजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (I.) यदि जन्म समय प्रातः 10:00 बजे तथा सूर्योदय प्रातः 6 :00 बजे हो तो इष्टकाल कितना होगा?

(II.) ऋतुऐं कितने प्रकार की होती है?

(III.) नन्दा तिथियां कौनसी होती है?

(IV.) चर करण कौनसे है?

(V.) दशम भाव में 6 राशि जोडने से कौनसा भाव प्राप्त होता है?

(VI.) ज्योतिषशास्त्र के कितने स्कन्ध हैं?

(VII.) राशि के एक नवमांश का मान कितना होता है?

(VIII.) कौनसा ग्रह सन्तान का स्थिर कारक होता है?

(IX.) विषम राशियों में पहली होरा किसकी होती है?

(X.) विवाह मेलापक में गुणों की कुल संख्या कितनी होती है?

Section –B

(Short answer questions)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

Note: Answer any 4 questions. Each answer should not exceed 100 words. Each question carries 10marks.

नोट : किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 100 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

4X10=40

2. पञ्चाङ्ग का व्यवहारिक जीवन में उपयोग लिखिये
3. तीन प्रकार के गण्डान्तों का संक्षिप्त परिचय दीजिये
4. तिथियों के परिचय का संक्षिप्त वर्णन करें
5. उदाहरण सहित ग्रहस्पष्ट साधन की विधि लिखिये
6. उदाहरण सहित नवमांश साधन की विधि लिखिये
7. दशम भाव साधन की विधि लिखिये
8. नीचभङ्ग राजयोग का उदाहरण सहित वर्णन करें
9. विवाह से पूर्व जन्म पत्रिका मिलान का महत्त्व व विधि लिखिये

Section –C

(Long answer questions)

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न

Note: Answer any two questions. You have to delimit your each answer maximum 800 words. Each question carries 20 marks.

नोट : किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 800 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2X20=40

10. उदाहरण सहित चन्द्रस्पष्ट साधन की विधि लिखिये
11. उदाहरण सहित ग्रहों के चर कारकत्व का वर्णन करें
12. अष्टकूट मिलान पर संक्षिप्त निबन्ध लिखें
13. जन्म कुण्डली द्वारा रोग का ज्ञान किस प्रकार से किया जाता है? वर्णन किजिये